

X
Paris
INDIA - 1988 -

Letters from India

Sarat - Ashoke - Amit

Rajoo - Thakur Neelma -

आदर्शीय राजा शर्मा,

आपको पत्र वक्ता में मिला होगा। उसके बाद फोन किया था।
आपें राजस्थान गये हुए थे। राजस्थान तो आदर्शीय आशीर्वात का
बहुत राशि आया होगा।

हम (अवस्था समूह) निकालकर आइयेगा। पत्रमयी आपने आशीर्वात के
साथ देने के लिए धन्य रही थी। आपने कहा था है दोनों हीट
पिपरिया का रहे हैं। आपसे मिलने की मनाश इच्छा है।

मैं 15 फरवरी को चलकर 16 फरवरी को वक्ता आइंगेगा।

और श्री गुरुजी का सकार था लेकिन बिदा का के पिपरिया लौट
आइंगेगा।

'विश्वकावित स्मारे' बहुत ही अच्छा है। कई कविताओं से मिलेंगे कि
तनाव ने हिंदी में दया उनसे श्री मिलेंगे अद्भुत, अनोखा अद्भुत रहे।
हम आपके पर आप आते तो बहुत होता।

इसी तरह एक नया सामूह नहीं था कि आप का गये, आपका
एक पत्र गुरुजी आया था जिसमें आने का उल्लेख था लेकिन
कारणों के बारे में जो पत्र न आने से होना चाहिए आप नहीं
आ रहे हैं।

नार्वे की प्रदर्शनी बहुत रही। बिंदु की माहिमा।

दिल्ली में श्री प्रदर्शनी है क्या? पहले सोचा कि दिल्ली-आकर
मिलेंगे अब वक्ता की ठीक रहेगा। वहाँ से वक्ता श्री नहीं आ
पा रहा था।

आदर्शीय आशीर्वात को मेरा, सुनीता का सलाम। पूरा
काकाजी वक्ता तो आपको बहुत पसंद कर रहे हैं। कडु वंश
के प्रभाव नीका।

पत्र दें। मेरा फोन 149 है।

आपका
3/2/83